J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:18.11.2022

PUNJAB KESARI

इंडोगमा फिल्म फेस्टिवल : 12 फिल्मों की हुई स्क्रीनिंग

ध्यान आकर्षित करती है संवेदनात्मक विषयवस्तु : विनीत पांडे

दृष्टिकोण और विचारों को प्रभावित करता है मीडिया : माइक बेरी

फरीदाबाद, 17 नवम्बर (पूजा शर्मा): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय इंडोगमा फिल्म फेस्टिवल 2022 के दूसरे दिन दो मास्टर क्लासेस का आयोजन और 12 फिल्मों की स्क्रीनिंग हुई। इस दौरान फिल्म कंटेंट को लेकर फिल्म विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ पवन सिंह मलिक ने बताया कि दिन की शुरुआत में जाने-माने शिक्षाविद् प्रो विनीत पाण्डेय द्वारा फिल्म के लिए सामग्री कैसे महत्वपूर्ण है विषय पर मास्टर क्लास से हुई।

उन्होंने टेलीविजन के युग से लेकर समसामयिक क्षेत्रीय सामग्री को लेकर छात्रों को विस्तार से बताया कि कैसे मीडिया राय बनाने की प्रक्रिया में योगदान देता है। इसके अलावा, विशेषज्ञ ने चर्चा में छात्रों के सभी प्रश्नों का उत्तर भी दिया तथा कंटेंट रेनोवेशन, मूवी इंक्लाइनेशन, एकेडमिक क्रेरीज और न्यू ट्रेंड्स इमर्जेंस पर विचार व्यक्त किये।

इसके बाद, विश्व प्रसिद्ध फिल्म निर्माता माइक बेरी ने कहा कि बॉलीवुड पोस्ट प्रोडक्शन में होने वाले खर्चों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मीडिया विश्व अर्थव्यवस्था को उलटने की शक्ति का संचालन करता है। कहानी से लेकर स्क्रीनप्ले तक किसी भी तरह के कंटेंट क्रिएशन में, परिस्थितियाँ और चरित्र सबसे ज्यादा मायने रखते हैं।

इंडोगमा फिल्म फेस्टिवल, 2022 के आयोजकों के साथ दूसरे दिन के अतिथि फिल्म निर्माता माइक बेरी। (छाया: एस एस शर्मा)

ये फिल्में हुई शामिल

इसके बाद विवेकानंद ऑडिटोरियम में फीचर, शॉर्ट, एनिमेशन, कॉरपोरेट, एलजीबीटीक्यू और म्यूजिक वीडियो की स्क्रीनिंग हुई जिनमें पीहू-एक दुखद सच्चाई, चौटाला-एक दौर, दे लास्ट रैन, दे ट्रैवलर, वीरांगना, अकस्मात् आदि फिल्में रही।

मुख्य अतिथि फिल्म निर्माता माइक बेरी को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए प्रो अतुल मिश्रा , सिनेमहता प्रोडक्शंस के निदेशक श्री चंदन मेहता तथा मुकेश गंभीर। (छाया: एस एस शर्मा)

NEWS CLIPPING:18.11.2022

AAJ SAMAJ

कार्यक्रम इंडोगमा फिल्म फेस्टिवलः दूसरे दिन दो मास्टर क्लासेस का किया आयोजन व 12 फिल्मों की हुई स्क्रीनिंग

संवेदनात्मक विषयवस्तु करती है ध्यान आकर्षितः विनीत

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय इंडोगमा फिल्म फेस्टिवल 2022 के दूसरे दिन दो मास्टर क्लासेस का आयोजन और 12 फिल्मों की स्क्रीनिंग हुई। इस दौरान फिल्म कंटेंट को लेकर फिल्म विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ पवन सिंह मलिक ने बताया कि दिन की शुरूआत में जाने-माने शिक्षाविद् प्रो विनीत पाण्डेय द्वारा फिल्म के लिए सामग्री कैसे महत्वपूर्ण है विषय पर मास्टर क्लास से हुई। उन्होंने टेलीविजन के युग से लेकर समसामयिक क्षेत्रीय सामग्री को लेकर छात्रों को विस्तार से बताया कि कैसे मीडिया राय बनाने की प्रक्रिया में योगदान देता है। उन्होंने बताया कि भावनात्मक मिश्रण वाली किसी भी तरह की सामग्री दर्शकों को ज्यादा आकर्षित करती है।

हालांकि, मीडिया वही करता है जो लोग चाहते हैं। इसके अलावा, विशेषज्ञ ने चर्चा में छात्रों के सभी प्रश्नों का उत्तर भी दिया तथा कंटेंट रेनोवेशन, मूवी इंक्लाइनेशन, एकेडमिक क्वेरीज और न्यू ट्रेंड्स इमर्जेंस पर विचार व्यक्त किये। इसके बाद, विश्व प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता माइक बेरी ने कहा कि बॉलीवुड पोस्ट प्रोडक्शन में होने वाले खर्चों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मीडिया विश्व अर्थव्यवस्था को उलटने की शक्ति का संचालन करता है। कहानी से लेकर स्क्रीनप्ले तक किसी भी तरह के कंटेंट क्रिएशन में, परिस्थितियां और चरित्र सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। इसके बाद विवेकानंद ऑडिटोरियम में फीचर, शॉर्ट, एनिमेशन, कॉरपोरेट, एलजीबीटीक्यू और म्यूजिक वीडियो की स्क्रीनिंग हुई जिनमें पीहू-एक दुखद सच्चाई, चौटाला-एक दौर, दे लास्ट रैन, दे ट्रैवलर, वीरांगना, अकस्मात आदि फिल्में रही।

इंडोगमा फिल्म फेस्टिवल, 2022 के आयोजकों के साथ फिल्म निर्माता माइक बेरी।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING:18.11.2022

HINDUSTAN

फिल्म महोत्सव में एक दर्जन फिल्म दिखाई गईं

आयोजन

फरीदाबाद, कार्यालय संवाददाता। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय इंडोग्मा फिल्म फेस्टिवल 2022 का गुरुवार को दूसरा दिन रहा। फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन छात्रों के लिए मास्टर क्लास का आयोजन किया गया। इस दौरान फिल्म कंटेंट को लेकर फिल्म विशेषज्ञों ने छात्रों संग विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही कई फिल्मों की स्क्रीनिंग भी हुई।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह मलिक ने बताया कि सबसे पहले शिक्षाविद् प्रो. विनीत पाण्डेय ने मास्टर क्लास ली।

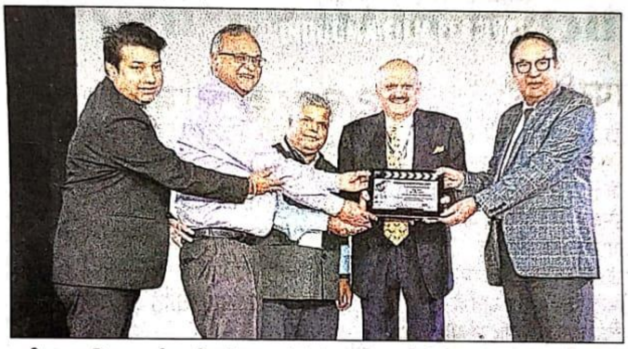

फरीदाबाद स्थित वाईएमसीए में चल रहे इंडोग्मा फिल्म फेस्टिवल में गुरुवार को मुख्य अतिथि के रूप में फिल्म निर्माता माइक बेरी पहुंचे। ● हिन्दुस्तान

इस दौरान उन्होंने फिल्म के लिए सामग्री कैसे महत्वपूर्ण है, विषय पर छात्रों को संबोधित किया। साथ ही कंटेंट रेनोवेशन, मूवी इंक्लाइनेशन, न्यू ट्रेंड्स आदि पर जानकारी दी। उन्होंने ये भी समझाया कि कैसे मीडिया राय बनाने की प्रक्रिया में योगदान देता है। उन्होंने बताया कि भावनात्मक मिश्रण वाली किसी भी तरह की सामग्री दर्शकों को ज्यादा आकर्षित करती है। इस क्लास के समापन पर छात्रों के सभी प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

माइक बेरी ने पोस्ट प्रोडक्शन पर चर्चा की: दूसरे सत्र में छात्रों को फिल्म निर्माता माइक बेरी ने संबोधित किया। उन्होंने बॉलीवुड पोस्ट प्रोडक्शन में होने वाले खर्चों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि कहानी से लेकर स्क्रीनप्ले तक किसी भी तरह के कंटेंट क्रिएशन में, परिस्थितियां और चरित्र सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। मौके पर छात्रों के लिए कुल 12 फिल्मों की स्क्रीनिंग भी की गई।की स्क्रीनिंग हुई। इनमें पीहू-एक दुखद सच्चाई, चौटाला-एक दौर, दि लास्ट रैन, दि ट्रैवलर, वीरांगना, अकस्मात आदि फिल्में शामिल रहीं।

NEWS CLIPPING:18.11.2022

HADOTI ADHIKAR

संवेदनात्मक विषयवस्तु करती है ध्यान आकर्षित : विनीत पांडे

– दृष्टिकोण और विचारों को प्रभावित करता है मीडिया : माइक बेरी

हाड़ौती अधिकार

फरीदाबाद, 17 नवम्बर। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'इंडोगमा फिल्म फेस्टिवल 2022' के दूसरे दिन दो मास्टर क्लासेस का आयोजन और 12 फिल्मों की स्क्रीनिंग हुई। इस दौरान फिल्म कंटेंट को लेकर फिल्म विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ पवन सिंह मलिक ने बताया कि दिन की शुरुआत में जाने-माने शिक्षाविद् प्रो विनीत पाण्डेय द्वारा 'फिल्म के लिए सामग्री कैसे महत्वपूर्ण है' विषय पर मास्टर क्लास से हुई। उन्होंने टेलीविजन के युग से लेकर समसामयिक क्षेत्रीय सामग्री को लेकर छात्रों को विस्तार से बताया कि कैसे मीडिया राय बनाने की प्रक्रिया में योगदान देता है। उन्होंने बताया कि

भावनात्मक मिश्रण वाली किसी भी तरह की सामग्री दर्शकों को ज्यादा आकर्षित करती है। हालाँकि, मीडिया वही करता है जो लोग चाहते हैं। इसके अलावा, विशेषज्ञ ने चर्चा में छात्रों के सभी प्रश्नों का उत्तर भी दिया तथा कंटेंट सेलेक्शन, मूवी इंक्लाइनेशन, एकेडमिक क्रेज और न्यू ट्रेंड्स इमर्जेंस पर विचार व्यक्त किये।

विश्व प्रसिद्ध फिल्म निर्माता माइक बेरी ने कहा कि बॉलीवुड पोस्ट प्रोडक्शन में होने वाले खर्चों पर चर्चा की। मीडिया विश्व अर्थव्यवस्था को उलटने की शक्ति का संचालन करता है। कहानी से लेकर स्क्रीनप्ले तक किसी भी तरह के कंटेंट क्रिएशन में, परिस्थितियाँ और चरित्र सबसे ज्यादा मायने रखते हैं।

NEWS CLIPPING:18.11.2022

PIONEER

संवेदनात्मक विषयवस्तु करती है ध्यान आकर्षित : पांडे

दृष्टिकोण और विचारों को प्रभावित करता है मीडियाः माइक बेरी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय इंडोगमा फिल्म फेस्टिवल 2022 के दूसरे दिन दो मास्टर क्लासेस का आयोजन और 12 फिल्मों की स्क्रीनिंग हुई। इस दौरान फिल्म कंटेंट को लेकर फिल्म विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ पवन सिंह मलिक ने बताया कि दिन की शुरुआत में जाने-माने शिक्षाविद् प्रो विनीत पाण्डेय द्वारा 'फ़िल्म के लिए सामग्री कैसे महत्वपूर्ण है' विषय पर मास्टर क्लास से हुई। उन्होंने टेलीविजन के युग से लेकर समसामयिक क्षेत्रीय सामग्री को लेकर छात्रों को विस्तार से बताया कि कैसे मीडिया राय बनाने की प्रक्रिया में योगदान देता है। उन्होंने बताया कि भावनात्मक मिश्रण वाली किसी भी तरह की सामग्री दर्शकों को ज्यादा आकर्षित करती है। हालाँकि, मीडिया वही करता है जो लोग चाहते हैं। इसके अलावा, विशेषज्ञ ने चर्चा में छात्रों के सभी प्रश्नों का उत्तर भी दिया तथा कंटेंट रेनोवेशन, मूवी इंक्लाइनेशन, एकेडमिक क्रेरीज और न्यू ट्रेंड्स इमर्जेंस पर विचार व्यक्त किये।

इसके बाद, विश्व प्रसिद्ध फिल्म निर्माता माइक बेरी ने कहा कि बॉलीवुड पोस्ट प्रोडक्शन में होने वाले खर्चों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मीडिया विश्व अर्थव्यवस्था को उलटने की शक्ति का संचालन करता है। कहानी से लेकर स्क्रीनप्ले तक किसी भी तरह के कंटेंट क्रिएशन में, परिस्थितियां और चरित्र सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। इसके बाद विवेकानंद ऑडिटोरियम में फीचर, शॉर्ट, एनिमेशन, कॉरपोरेट, एलजीबीटीक्यू और म्यूजिक वीडियो की स्क्रीनिंग हुई जिनमें पीहू-एक दुखद सच्चाई, चौटाला-एक दौर, दे लास्ट रैन, दे ट्रैवलर, वीरांगना, अकस्मात् आदि फिल्में रही।

जेसीबोस विश्वविद्यालय में आयोजित फिल्म फेस्टीवल में मुख्यातिथि माइक बेरी को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING:18.11.2022

DAINIK JAGRAN

इंडोगमा फिल्म महोत्सव में हुई क्षेत्रीय और डाक्यूमेंट्री फिल्मों की स्क्रीनिंग

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : जेसी बोस विश्वविद्यालय में संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग (सीएमटी) द्वारा सिनेमेहता प्रोडक्शंस के सहयोग से तीन दिवसीय इंडोगमा फिल्म महोत्सव शुरू हुआ। एशियन अकादमी आफ फिल्म एंड टेलीविजन (एएएफटी) के संस्थापक अध्यक्ष संदीप मारवाह मुख्य अतिथि रहे। कुलसचिव डा.एसके गर्ग, सीएमटी विभाग के अध्यक्ष डा.पवन सिंह मलिक, सिनेमेहता प्रोडक्शंस के निदेशक चंदन मेहता और मुकेश गंभीर भी सत्र में उपस्थित थे।

कुलपति प्रो.सुशील कुमार तोमर ने कहा कि भारत में मीडिया और मनोरंजन उद्योग 40 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है और अब विभिन्न डिजिटल माध्यमों के कारण इस उद्योग का दायरा बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल फिल्म उद्योग के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ा है बल्कि रोजगार के नए अवसर भी खुले हैं। संदीप मारवाह ने आयोजन को सराहनीय बताया तथा छात्रों की भागीदारी की प्रशंसा की। इससे पूर्व मुकेश गंभीर ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने तीन दिवसीय कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया। प्रसिद्ध लेखक और निर्देशक आशीष श्रीवास्तव ने कम बजट की फिल्म और डाक्यूमेंट्री बनाने को लेकर विद्यार्थियों को उपयोगी टिप्स दिए।